SHRI V. NARAYANASAMY: Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI (JAGESH DESAI): No, I will not allow you.

SHRI V. NARAYANASAMY: Please. Let me say one thing. The Thakkar Commission Report was not laid on the Table of the House. It came from the Press and they discussed it here. Now, how can they say it cannot be discussed?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI) : No, I have not allowed you.

श्री मीर्जा इर्शादबेग : मान्यवर, मैं आपके माध्यम से यह मांग करता हूं कि देश की सुरक्षा के साथ किसी ने खिलवाड़ किया हो, वह कभी भी बर्दाशत नहीं किया जा सकता है। डिफेन्स के हमारे नक्शे और डिफेन्स की बातों को लीक किया गया हो, उसको बेचा गया हो तो मैं यह मांग करता हूं कि आज पूरा सदन इस बात में मेरे साथ है कि सच्चाई देश की जनता जानना चाहती है, इसलिए कुदाल कमीशन की जो रिपोर्ट है वह सरकार सदन के पटल पर प्रस्तुत करे।

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Let it be on record that the entire Opposition supports this demand.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI) : No support is there.

SEVERAL HON. MEMBERS: Everybody supports this.

SHRI B. SATYANARAYAN REDDY (Andhra Pradesh): Let the Kudal Commission report be placed on the Table of the House.

PROF. C. LAKSHMANNA (Andhra Pradesh): We demand that the Report should be placed on the Table of the House.

SHRI B. SATYANARAYAN REDDY: We demand all reports including the whole of the Thakkar Commission Report, should be placed on the Table of the House.

SHRI SAT PAUL MITTAL (Nominated): I say with full sense of responsibility that we welcome this demand.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): He was talking of Kudal and you are going on to something else. *(Interruptions)*

SHRI B. SATYANARAYAN REDDY: We say all suppressed reports should be placed on the Table of the House.

Death of 70 Persons after Consuming Illicit Liquior in Various Towns of U. P.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : उप सभाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में 20 मार्च और 30 मार्च के बीच में जहरीली शराब पीने के कारण करीब-करीब 70 लोग मौत के शिकार हो चुके हैं। यह घटनायें इलाहाबाद, लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी, मुरादाबाद और वाराणसी में घटी हैं इनमें से इलाहाबाद में 10, बाराबंकी और लखनऊ मे 17 और वाराणसी में 12 लोगों की मृत्यु हुई है और उत्तर प्रदेश में अन्य स्थानों में 50 लोगों की आंख की रोशनी जाती रही है। इसके अलावा करीब-करीब डेढ़ सौ लोग आज भी विभिन्न अस्पतालों में मौत से जूझ रहे हैं। उत्तर प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में इस समय पांच सौ लोग भर्ती हैं। अकेले इलाहाबाद में जहां पर 10 लोगों की मृत्यु हुई, करीब डेढ़ सौ लोग अस्पताल में भर्ती हैं और जगह जगह से मृतकों के संबंध में जो पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आई है उससे पता चलता है कि सभी मौतें स्पिरिट में मिथाइल अलकोहल की मात्रा ज्यादा होने के कारण और उसमें सस्ता रसायन मिलाने से हुई है। पिछले महीने ही कुछ दिन पूर्व गुजरात में इसी तरह का काण्ड हो चुका है। उत्तर प्रदेश के आबकारी विभाग और पुलिस विभाग से कतिपय अधिकारियों और कर्मचारियों की सांठगांठ पर ये काण्ड हो रहे हैं। जहरीली शराब का जो माफिया है वह सारे उत्तर प्रदेश पर हावी है। लेकिन मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने किसी के विरुद्ध कोई भी

[श्री सत्य प्रकाश मालवीय]

कार्यवाही नहीं की है और न ही किसी दुकान का लायसेंस रद्द किया है और न ही किसी को गिरफ्तार किया गया है। वहां पर शराब का अवैध धंधा बराबर चल रहा है। मेरी मांग है कि जो लोग इसमें लिप्त रहे हैं उनके जो लाइसेंस हैं उनको निरस्त कर दिया जाये और जो लापरवाह और गैर जिम्मेदार अधिकारी हैं उनको न केवल बर्खास्त ही किया जाय बल्कि उनके खिलाफ आपराधिक धाराओं के अंतर्गत मुकदमें भी चलाये जायें। मान्यवर, मेरी यह भी मांग है कि जो मृतक लोग हैं और जो अस्पताल में भर्ती हैं उनके आश्रितों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाय। इसके अतिरिक्त मेरी यह भी मांग है जो धार्मिक नगर हैं, धार्मिक स्थल हैं, उत्तर प्रदेश के अन्दर जो धार्मिक जिले हैं वहां पर पूर्ण नशाबंदी लागू की जाय। इन शब्दों के साथ मुझे पूरी आशा है कि उत्तर प्रदेश सरकार इस संबंध में कड़ी से कड़ी कार्यवाही करेगी जिससे कि भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

3.00 P.M.

श्री मुहम्मद अमीन अंसारी (उत्तर प्रदेश): मैं इसकी ताईद करता हूं। उत्तर प्रदेश की सरकार और खासतौर से वहां की पुलिस जो है वह नाकारा हो चुकी है। उसकी वजह से ऐसी...

†[श्री मुहम्मद अमीन अंसारी]

(उपसभाध्यक्ष) : मैं इस की ताईद करता हूं। उत्तर प्रदेश सरकार और खास तौर से वहां की पुलिस जो है वह नाकारा हो चुकी है। इस की वजह से ऐसी ...।

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मैं अनुरोध करना चाहता हूं कि यह जो विशेष उल्लेख माननीय मालवीय जी ने प्रस्तुत किया है इस माननीय सदन में मैं इसका समर्थन करता हूं। मान्यवर, यह

[उपसभाध्यक्ष (श्री सत्य प्रकाश मालवीय) पीठासीन हुए]

एक देश व्यापी संकट हो गया है विषाक्त शराब का और इसमें आबकारी विभाग के अधिकारी और कर्मचारी तथा अवैध शराब बेचने वाले सम्मिलित होते हैं और उनकी मिली-भगत से देश के अंदर लोगों की मौतें हो रही हैं, लोग बीमार पड़ रहे हैं और इस प्रकार से जन-धन की क्षति हो रही है। मैं इसका समर्थन करता हूं और मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस पर तुरंत कार्यवाही की जाय।

Shortage of Drinking Water in Gaya and Atri Regions of Bihar

श्री यशवंत सिन्हा (बिहार): मान्यवर, पिछले महीने ही 12, 13 और 14 इन तीन दिनों में बिहार के गया जिले में मैं पद यात्रा पर गया था और मैंने वहां तीन प्रखंडो की पद यात्रा की, गया मुकीसिल, वजीरगंज और अटरी प्रखंड । मान्यवर, ये जो तीन प्रखंड हैं, बिहार में गया जिले के, ये ऐसे प्रखंड है जहां पर नक्सली प्रकोप बहुत तीव्र है और कई सालों ये यहां पर काफी अशांति रही है, उनके कार्यकलापों की वजह से। एक जो कारण इन तीनों प्रखंडो का मेरी पद यात्रा का था वह यह था कि मैं स्वयं जाकर देखूं कि वहां पर सचमुच स्थिति क्या है और लोग वहां पर किन परिस्थितियों में जी रहे हैं तथा उनकी सुविधा के लिए, उनके कष्टों को दूर करने के लिए किस प्रकार के उपायों की आवश्यकता है। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि इन तीन प्रखंडो की जो बनावट है वह करीब-करीब छोटा नागपुर से मिलती-जुलती है। राजगीर के आसपास ये तीनों प्रखंड हैं जिनमें बहुत सारा क्षेत्र पहाड़ी है और यहां जंगल भी हैं। वहां पर जो मैंने सबसे दुखद चीज देखी, मान्यवर उसकी ओर मैं आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

महोदय, मैं मार्च महीने के पहले पखवाड़े में इन तीनों प्रखंडो में घूम रहा था और मैंने यह पाया इन तीनों प्रखंडों में जो पीने के पानी के साधन हैं, जो पानी के स्रोत हैं वे अभी से सूख चुके थे। कई जगहों पर जो सरकारी कुयें थे वे सूख चुके थे और जो चापाकल इत्यादि की व्यवस्था की गई थी उनमें पानी आना बंद हो गया था। यह परिस्थिति मार्च के पहले पखवाड़े में थी जबकि मार्च का दूसरा पखवाड़ा, अप्रैल, मई और जून, जब तक बरसात शुरु नहीं होती तब तक बड़ी विकट परिस्थिति वहां पैदा हो जाएगी। दूसरी इस बात की ओर मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा कि वहां पर परिस्थिति अत्यंत ही गंभीर थी, अत्यंत ही विकराल थी और उन टोलों में जहां पर कि आदिवासी और हरिजन बसते है वहां पर उन्होंने मुझे रोके रखा, जब मैं हरिजन टोले से गुजर रहा था तो लोग मुझे रोका करते थे यह दिखाने के लिए कि उनके कुंये सूख गये हैं और किस प्रकार से उनकी महिलाओं को, उनके पुरुषों को, उनके बच्चों को तीन-तीन, चार-चार और पांच-पांच किलोमीटर तक एक घड़े पानी के लिए जाना पड़ता है। यह सब इतनी दर्दनाक, इतनी व्यथापूर्ण कहानी है जिसको देखने पर आंखों में आंसू आ जाते हैं।

†[Transliteration in Arabic script].